हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

सहायता समूह को विपणन ज्ञान के साथ सशक्त बनाना कार्यक्रम का उद्देश्य

विपणन कौशल पर आईआईएम रांची का प्रबंधन विकास कार्यक्रम शुरू

रांची, प्रमुख संवाददाता। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची ने लोहरदगा के उपायुक्त के सहयोग से विपणन कौशल प्रदान करने पर सोमवार को प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) की शुरुआत की। इसका उद्देश्य स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) प्रतिनिधियों को आवश्यक विपणन ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाना है। यह एमडीपी लोहरदगा के डीसी कृष्ण प्रसाद वाघमारे की ओर से नीति आयोग पुरस्कार राशि पहल के तहत आईआईएम रांची को प्रदान की गई है।

आरएसईटीआई लोहरदगा में आयोजित उद्घाटन समारोह में आईआईएम रांची के निदेशक प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव, लोहरदगा के डीसी डॉ कृष्णा प्रसाद वाघमारे, जिला योजना अधिकारी अरुण सिंह, कार्यक्रम निदेशक प्रो श्वेता झा, प्रो सत्यम सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

विपणन कौशल पर आईआईएम की ओर से सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रतिनिधि।

विपणन कौशल प्रदान करने पर एमडीपी एसएचजी प्रतिनिधियों के लिए अपनी विपणन क्षमताओं को बढ़ाने और अपने संबंधित समुदायों के विकास में योगदान करने का एक अनूठा अवसर है। कार्यक्रम हिन्दी में होगा, ताकि प्रतिभागी आईआईएम रांची के अनुभवी शिक्षकों की ओर से सिखाई गई अवधारणाओं को पूरी तरह समझ सकें।

कार्यक्रम एसएचजी के लिए होगा मददगार

प्रो दीपक कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आईआईएम रांची में हम वैश्विक अभिविन्यास और स्थानीय प्रतिक्रिया में विश्वास करते हैं और यह एमडीपी उन तरीकों में से एक है। इसके माध्यम से स्थानीय समुदायों का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम एसएचजी प्रतिनिधियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए आवश्यक विपणन कौशल से लैस करेगा। विपणन कौशल प्रदान करने पर एमडीपी बाजार अनुसंधान, उत्पाद स्थिति, ब्रांडिंग, मूल्य निर्धारण रणनीतियों और डिजिटल मार्केटिंग सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करेगा।

Hindustan, 12.09.2023